संस्कृत वाङ्मय चिन्तन

संपादक

डॉ० बाबूलाल मीना

एम०ए० संस्कृत लब्ध स्वर्ण पदक, पीएच०डी०, साहित्याचार्य

एसोसिएट प्रोफेसर संस्कृत

महारानी श्री जया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

भरतपुर (राज०)

ईस्टर्न बुक लिंकर्स

दिल्ली : : (भारत)

Scanned by CamScanner

प्रकाशक :

ईस्टर्न बुक लिंकर्स

हैड ऑफिस:

5825, न्यू चन्द्रावल,
जवाहरनगर, दिल्ली-110007
फोन : 23850287, 9811232913

शोरूम:

4806/24, भरत राम रोड,
दरिया गंज, नई दिल्ली-110002
फोन : 23285413

e-mail : eblindology@gmail.com
ebl.info76@gmail.com
Website : www.eblindology.com

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2019

मूल्य : ₹ 950

ISBN : 978-93-89386-04-2

Sanskrit Vāṅmaya Chintan

Dr. Babulal Meena

टाईप सैटिंग : क्रियेटिव ग्राफिक्स
मुद्रक : आर. के. प्रिंट सर्विस, दिल्ली

Scanned by CamScanner

3.3

उत्तररामचरितम् में योषिदलङ्कार

डॉ० नौनिहाल गौतम

सहायक आचार्य संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर (म०प्र०)

काव्यों में नाट्य रमणीय होता है। यह दृश्य एवं श्रव्य दोनों से समन्वित होने से अधिक रोचक हो जाता है। आचार्य वामन ने इस पर उदारतापूर्वक अपनी सम्मति प्रकट की है- 'सन्दर्भेषु दशरूपकं श्रेयः'[1] रस पर आश्रित नाट्य या रूपक दस प्रकार का होता है। इनमें से नाटक भेद सर्वप्रमुख है। संस्कृत नाटकों की सुदीर्घ एवं सुन्दर परम्परा है। नाटककारों की परम्परा में महाकवि भवभूति का स्थान अग्रगण्य है। उनकी तीन रचनाएं- मालतीमाधवम्, महावीरचरितम् और उत्तररामचरितम् हैं। इनमें उत्तररामचरितम् अपने वैशिष्ट्य के कारण सर्वातिशायी है। इस रचना के द्वारा भवभूति नाटककारों में विशिष्ट महत्त्व को प्राप्त हुए हैं- 'उत्तरे रामचरिते तु भवभूतिर्विशिष्यते'।

नाट्य में तीन महत्त्वपूर्ण तत्त्व होते हैं- वस्तु, नेता तथा रस। यहाँ नेता से आशय है- पात्र। नाटक के पात्रों में भी नायक-नायिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होते हैं। नाट्यशास्त्रीय दृष्टि से नायिकाओं में यौवनावस्था में स्वाभाविक रूप से बीस अलंकार पाये जाते हैं जिन्हें योषिदलंकार या सत्त्वजालंकार कहते हैं।[2] ये बीस योषिदलंकार निम्नलिखित हैं-

(क) तीन शरीरज अलंकार- भाव, हाव और हेला।

(ख) सात अयत्नज अलंकार- शोभा, कान्ति, दीप्ति, माधुर्य, प्रगल्भता, औदार्य और धैर्य।

---

1. काव्यालंकारसूत्रवृत्ति 1.3.30
2. दशरूपकम् 2.30-33

Scanned by CamScanner